>

Title: Alleged smuggling of cows and cow breed along the borders of Bangladesh and Nepal.

श्री राधा मोहन सिंह (पूर्वी चम्पारण): सभापति महोदया, मैं आपके माध्यम से सरकार का ध्यान कृषि और किसान से संबंधित विषय की ओर ले जाना चाहता हूं। कृषि प्रधान भारत की अर्थव्यवस्था का आधार गोवंश है। आज अपने देश में इन मवेशियों की भयावह रूप से तस्करी हो रही है। वर्षों से यह सिलसिला जारी है। खुफिया विभाग ने भी अपनी रिपोर्ट में बताया है कि राजस्थान, उत्तर प्रदेश, बिहार, उड़ीसा एवं पूर्वोत्तर के राज्यों से प्रति वर्ष करीब एक लाख निरीह मवेशियों को बंगलादेश में अवैध तरीके से ले जाया जा रहा है, यानी उसकी तस्करी हो रही है। देश में देशी नस्ल की गायों की कमी हो रही है। खेती के लिए सर्वाधिक उपयुक्त बैलों का भी अभाव हो रहा है। पहले दो-तीन हजार रुपए में एक जोड़ी बैल मिल जाते थे, लेकिन अब 25-30 हजार रुपए जोड़ी भी बैल मिलने मुश्किल हो गए हैं। गाय-भैंसों की कीमत भी काफी बढ़ी है।

महोदया, वन्य जीवों की तस्करी के खिलाफ तो कई तरह की व्यवस्थाएं खड़ी की गई हैं, लेकिन जो सामान्य और पालतू प्रत्यक्ष उपयोगी मवेशियां हैं, उनके मामले में ऐसा नहीं हो रहा है। दुर्भाग्य से इसमें राजनीति भी आ जाती है कि गोवंश की रक्षा करने की बात को लोग कृषि और किसान से थोड़ा दूर हटाने की कोशिश करते हैं। देश के अंदर गायों के प्रति धीर-धीरे जागृति आई है और ऐसे काम को रोकने के लिए लोग अब खड़े हो रहे हैं, लेकिन सरकार की ओर से उनको प्रोटैक्शन नहीं मिलता है।

सभापति महोदया : माननीय सदस्य, आप जो चाहते हैं, उसकी मांग सरकार से कीजिए।

श्री राधा मोहन सिंह : महोदया, भारतीय कृषि और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को अगर बचाना है और उन्हें भारत की सम्पन्नता का आधार बनाना है, तो मेरी आपके माध्यम से भारत सरकार से मांग है कि गोवंश की तस्करी रोकने के लिए कड़े कानून बनाए जाएं। धन्यवाद।